भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 91

दिनांक 29 जनवरी, 2026 को उत्तरार्थ

.....

जल शक्ति अभियान की स्थिति

91. श्री थरानिवेंथन एम. एस.:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तमिलनाडु में जल शक्ति अभियान के आरंभ से अब तक इसके अंतर्गत कवर किए गए जिलों और गांवों की संख्या सहित इसकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) अरानी लोक सभा क्षेत्र सहित तमिलनाडु में उक्त अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और पनधारा प्रबंधन में प्राप्त किए गए प्रमुख परिणामों और सुधारों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने उक्त अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने में राज्यों के सामने आने वाली किसी चुनौती या बाधा की पहचान की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त अभियान के अंतर्गत सामुदायिक भागीदारी, पारदर्शिता और सतत जल संसाधन प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री

(श्री राज भूषण चौधरी)

(क) और (ख): 'जल' राज्य का विषय है और केन्द्र सरकार द्वारा तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान कर राज्यों के प्रयासों को समर्थित किया जाता है। जल संरक्षण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा वर्ष 2019 से जल शक्ति अभियान (जेएसए) का कार्यान्वयन किया जा रहा है। जेएसए: सीटीआर के छठे संस्करण का कार्यान्वयन तमिलनाडु राज्य सहित देश के सभी जिलों (ग्रामीण और शहरी) में "जल संचय, जन भागीदारी: जन जागरूकता की ओर" विषय के तहत किया गया है। इस अभियान में सामुदायिक भागीदारी और जल संरक्षण जागरूकता पर विशेष बल दिया गया है। इस अभियान में अधिकतम प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए समन्वित वित्तपोषण और सक्रिय सामुदायिक भागीदारी पर जोर दिया गया है। सरकार द्वारा आपसी सहयोग, संसाधनों के इष्टतम उपयोग एवं संस्थागत समन्वय के माध्यम से कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण के लिए मंत्रालयों के बीच प्रभावी अंतर-क्षेत्रीय समन्वय के लिए एक बहु-आयामी कार्यनीति का कार्यान्वयन किया गया है।

इस अभियान के तहत, तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा 4,47,997 जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण, 44,494 पारंपरिक जल निकायों का नवीनीकरण, 5,67,550 पुन: उपयोग और पुनर्भरण संरचनाएं, 3,46,537 वाटरशेड विकास संरचनाओं का निर्माण शामिल हैं, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ अरणी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में 17,962 जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन संरचनाएं,

3,518 पारंपरिक जल निकायों का नवीनीकरण, 24,490 पुन: उपयोग और पुनर्भरण संरचनाएं, 12,324 वाटरशेड विकास संरचनाओं का निर्माण शामिल हैं। इसके अतिरिक्त तमिलनाडु राज्य सरकार ने सूचित किया है कि जल शक्ति अभियान की शुरुआत से अब तक सभी जिलों और 12480 पंचायतों को जल शक्ति अभियान के अंतर्गत शामिल किया गया है।

(ग): 'जल' राज्य का विषय है। जल संसाधनों के संरक्षण सहित इससे संबंधित विभिन्न पहलुओं का अध्ययन, आयोजना, वित्तपोषण और निष्पादन राज्य सरकारों द्वारा अपने संसाधनों और प्राथमिकताओं के अनुसार किया जाता है। तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा यह सूचित किया गया कि उनके द्वारा जल संसाधन, ग्रामीण विकास, कृषि और शहरी निकायों जैसे विभिन्न हितधारक विभागों के साथ अंतर-विभागीय समन्वय के माध्यम से राज्य में जल शक्ति अभियान का सफलतापूर्वक कार्यान्वयन किया गया है।

(घ): जल राज्य का विषय है। जन जागरूकता सृजन करने सहित इसके संरक्षण और प्रबंधन का दायित्व मुख्यतः राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों की है। तथापि, भारत सरकार द्वारा जल संरक्षण के महत्व के विषय में जनता को संवेदनशील बनाने और जल उपयोग पैटर्न में व्यवहारगत परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए देश भर में जल शक्ति अभियान: कैच द रेन (जेएसए: सीटीआर) सहित कई उपाय किए गए हैं। जागरूकता का सृजन करना जेएसए : सीटीआर अभियान के पांच प्रमुख उपायों में से एक है जिसका उद्देश्य जल संरक्षण को जन आंदोलन (जन आंदोलन) का रूप देते हुए जल से संबंधित चुनौतियों और संरक्षण के महत्व के विषय में जनता को जागरूक बनाना है।

जेएसए सीटीआर के एक भाग के रूप में राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से सभी जिलों में जल शक्ति केन्द्र (जेएसके) स्थापित करने का अनुरोध किया गया है। ये केंद्र, संसाधन और सूचना केंद्रों के रूप में कार्य करते हैं, जल से संबंधित मुद्दों पर जानकारी प्रदान करते हैं, सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रोत्साहित करते हैं, तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं और जल संरक्षण कार्यनीतियों के लिए स्थानीय केंद्र के रूप में कार्य करते हैं। देश भर में 712 जल शक्ति केंद्र सहित तमिलनाडु में 38 जेएसके स्थापित किए गए हैं।

सार्वजनिक सहभागिता को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए, 6 सितंबर 2024 को सूरत, गुजरात में "जल संचय जन भागीदारी" (जेएसजेबी) पहल की शुरूआत की गई थी। यह पहल समुदायों, नागरिक समाज और स्थानीय सरकारों द्वारा सामूहिक कार्रवाई को प्रोत्साहित करती है ताकि समाज और सरकार के समग्र दृष्टिकोण के तहत कम लागत पर, स्थानीय रूप से उपयुक्त जल संरक्षण समाधानों का कार्यान्वयन किया जा सके। इस पहल के एक भाग के रूप में, जल शक्ति मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय जल मिशन (एनडब्ल्यूएम), द्वारा विभिन्न एजेंसियों के सहयोग से, जल संरक्षण के महत्व को व्यापक रूप देने के लिए कई सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते है।

इस अभियान को और अधिक व्यापक बनाने के लिए राष्ट्रीय जल मिशन (एनडब्ल्यूएम) द्वारा युवा कार्यक्रम विभाग के सहयोग से नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) और उसके युवा क्लबों के व्यापक नेटवर्क का सदुपयोग करते हुए जल शक्ति अभियान: कैच द रेन (जेएसए: सीटीआर) अभियान के तहत जल संरक्षण प्रयासों में जमीनी स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

*****